



Asian Journal of Management and Commerce

E-ISSN: 2708-4523

P-ISSN: 2708-4515

AJMC 2023; 4(1): 152-155

© 2023 AJMC

www.allcommercejournal.com

Received: 15-03-2023

Accepted: 24-04-2023

डॉ० एस० सी० सिंघल

एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य संकाय के०

आर० पी० जी० कॉलेज, मथुरा, उत्तर

प्रदेश, भारत

स्टील उद्योग की चयनित कंपनियों (टाटा स्टील और सेल) के केश फ्लो स्टेटमेंट की समीक्षा

डॉ० एस० सी० सिंघल

सारांश

शोधकर्ता ने निर्धारित उद्देश्यों को नकदी प्रवाह, शुद्ध संपत्ति अंतर, और चयनित इस्पात उद्योगों की तरलता के बारे में जानने के लिए, चयनित इस्पात उद्योगों के नकदी प्रवाह और बहिर्वाह को मापने और उद्योगों की नकदी स्थिति का मूल्यांकन और तुलना करने के लिए निर्धारित किया है। शोधकर्ता ने जजमेंटल सैंपलिंग पद्धति के आधार पर दो कंपनियों का चयन किया है और शोधकर्ता ने माध्य, प्रवृत्ति विश्लेषण और जोड़ी "टी" परीक्षण जैसे डेटा विश्लेषण के लिए उपयोग किया है। शोधकर्ता ने टाटा स्टील और सेल के केश फ्लो स्टेटमेंट की समीक्षा में पाया है कि दोनों कंपनियों के केश इनफ्लो और केश आउटफ्लो को दर्शाता है, जो दोनों कंपनियों की समान सॉल्वेंसी और लिक्विडिटी का प्रतिनिधित्व करता है। इस प्रकार, निवेशक दोनों कंपनियों में निवेश कर सकते हैं क्योंकि दोनों कंपनियों की नकदी की स्थिति अच्छी है। इसलिए, निवेशकों के लिए सबसे अच्छे निवेश विकल्प की पहचान करना आसान होना चाहिए।

कूटशब्द: नकदी प्रवाह, शुद्ध संपत्ति अंतर, टाटा स्टील, केश फ्लो स्टेटमेंट

प्रस्तावना

भारत में स्टील उद्योग एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र है जो देश की आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्टील उद्योग भारत के ग्रोथ इंडिकेटर में से एक है जो देश के GDP में भी एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। भारत में स्टील उद्योग का इतिहास लगभग 100 साल पुराना है। स्वतंत्रता पूर्व भारत में स्टील उत्पादन का मुख्य केंद्र तातानगर था, जहां बैलगाढ़ कंपनी ने स्टील बनाना शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद, भारत सरकार ने स्टील उद्योग के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। भारत सरकार ने उद्योग के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं और नीतियां शुरू की हैं, जिससे स्टील उद्योग में वृद्धि हुई है। भारत में स्टील उद्योग के कुछ महत्वपूर्ण केंद्र हैं जैसे कि सैल स्टील, टाटा स्टील, जिंदल स्टील, विजयनगर स्टील, राष्ट्रीय स्टील आदि। इन केंद्रों में स्टील के विभिन्न प्रकार का उत्पादन किया जाता है।

टाटा स्टील

टाटा स्टील भारत में एक प्रमुख स्टील निर्माता और टाटा समूह की सहायक कंपनी है। इसका मुख्यालय मुंबई में है और इसका मुख्य निर्माण कार्य जमशेदपुर, झारखंड में है। कंपनी की वैश्विक इस्पात उद्योग में मजबूत उपस्थिति है और यूके, नीदरलैंड, थाईलैंड, सिंगापुर, चीन और ऑस्ट्रेलिया सहित विभिन्न देशों में इसका परिचालन है। टाटा स्टील स्टील उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का उत्पादन करती है, जिसमें हॉट-रोलड और कोल्ड-रोलड कॉइल, वायर रॉड, रिबार, ट्यूब और पाइप शामिल हैं। कंपनी अपने उच्च गुणवत्ता वाले स्टील उत्पादों, नवीन निर्माण प्रक्रियाओं और टिकाऊ व्यवसाय प्रथाओं के लिए जानी जाती है। टाटा स्टील पर्यावरण प्रबंधन के लिए भी प्रतिबद्ध है और इसने अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई पहलों को लागू किया है। अपने इस्पात व्यवसाय के अलावा, टाटा स्टील की भारत और कनाडा में संचालन के साथ खनन उद्योग में भी महत्वपूर्ण उपस्थिति है। कंपनी टिकाऊ खनन प्रथाओं के विकास पर केंद्रित है और पर्यावरण और स्थानीय समुदायों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए कई पहलों को लागू किया है।

सेल

सेल का मतलब स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड है। यह भारत की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनियों में से एक है और भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। सेल की स्थापना 1973 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। सेल के देश भर में कई स्टील प्लांट हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ में भिलाई स्टील प्लांट, पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर स्टील प्लांट, ओडिशा में राउकेला स्टील प्लांट, झारखंड में बोकारो स्टील प्लांट और पश्चिम बंगाल में इस्को स्टील प्लांट शामिल हैं। कंपनी का रांची, झारखंड में एक शोध एवं विकास केंद्र भी है। सेल स्टील उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का उत्पादन करता है, जिसमें हॉट-रोलड और कोल्ड-रोलड कॉइल, प्लेट, रेल और स्ट्रक्चरल शामिल हैं।

Corresponding Author:

डॉ० एस० सी० सिंघल

एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य संकाय के०

आर० पी० जी० कॉलेज, मथुरा, उत्तर

प्रदेश, भारत

कंपनी अपने उच्च गुणवत्ता वाले स्टील उत्पादों के लिए जानी जाती है और घरेलू बाजार में इसकी मजबूत उपस्थिति है। सेल सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए कई पहलों में भी सक्रिय रूप से शामिल है और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए कई परियोजनाओं को लागू किया है।

किसी कंपनी के कैश फ्लो स्टेटमेंट का विश्लेषण

किसी कंपनी के कैश फ्लो स्टेटमेंट का विश्लेषण वित्तीय विश्लेषण का एक अनिवार्य हिस्सा है। यह किसी कंपनी की नकदी उत्पन्न करने, उसके कर्ज का भुगतान करने और उसके संचालन को निधि देने की क्षमता में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। कैश फ्लो स्टेटमेंट का विश्लेषण करने के लिए यहां कुछ महत्वपूर्ण कदम हैं:

1. **ऑपरेटिंग गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह को देखें:** यह कैश फ्लो स्टेटमेंट का सबसे महत्वपूर्ण खंड है क्योंकि यह कंपनी के कोर ऑपरेटिंग्स द्वारा उत्पन्न या उपयोग की गई नकदी को दर्शाता है। ऑपरेटिंग गतिविधियों से एक सकारात्मक शुद्ध नकदी प्रवाह इंगित करता है कि कंपनी अपने परिचालनों से नकदी पैदा कर रही है, जबकि एक नकारात्मक शुद्ध नकदी प्रवाह इंगित करता है कि कंपनी अपने परिचालनों को निधि देने के लिए नकदी का उपयोग कर रही है। ऑपरेटिंग गतिविधियों से एक महत्वपूर्ण नकारात्मक शुद्ध नकदी प्रवाह यह संकेत दे सकता है कि कंपनी परिचालन संबंधी कठिनाइयों का सामना कर रही है।
2. **निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह की जांच करें:** यह खंड कंपनी की निवेश गतिविधियों द्वारा उपयोग की गई या उत्पन्न नकदी को दर्शाता है। निवेश गतिविधियों से एक सकारात्मक शुद्ध नकदी प्रवाह इंगित करता है कि कंपनी अपने निवेशों से नकदी पैदा कर रही है, जबकि एक नकारात्मक शुद्ध नकदी प्रवाह इंगित करता है कि कंपनी अपने निवेशों को निधि देने के लिए नकदी का उपयोग कर रही है। निवेश गतिविधियों से एक महत्वपूर्ण नकारात्मक शुद्ध नकदी प्रवाह यह संकेत दे सकता है कि कंपनी अपने संचालन या अधिग्रहण में भारी निवेश कर रही है।
3. **वित्तपोषण गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह का मूल्यांकन करें:** यह खंड कंपनी की वित्तपोषण गतिविधियों द्वारा उपयोग की गई या उत्पन्न नकदी को दर्शाता है। वित्तपोषण गतिविधियों से एक सकारात्मक शुद्ध नकदी प्रवाह इंगित करता है कि कंपनी अपनी वित्तपोषण गतिविधियों से नकदी पैदा कर रही है, जबकि एक नकारात्मक शुद्ध नकदी प्रवाह इंगित करता है कि कंपनी अपनी वित्तपोषण गतिविधियों को निधि देने के लिए नकदी का उपयोग कर रही है। वित्तपोषण गतिविधियों से एक महत्वपूर्ण नकारात्मक शुद्ध नकदी प्रवाह यह संकेत दे सकता है कि कंपनी अपने ऋणों का भुगतान कर रही है या शेयरधारकों को नकद लौटा रही है।
4. **नकद और नकद समकक्षों की शेष राशि देखें:** यह अवधि के अंत में कंपनी के पास नकद और नकद समकक्षों की राशि को दर्शाता है। एक उच्च शेष राशि इंगित करती है कि कंपनी के पास अपने संचालन और निवेश को निधि देने के लिए पर्याप्त नकदी है, जबकि कम शेष राशि यह संकेत दे सकती है कि कंपनी को अतिरिक्त धन जुटाने की आवश्यकता हो सकती है।
5. **रुझानों का विश्लेषण करें:** कई अवधियों में कैश फ्लो स्टेटमेंट का विश्लेषण करने से कंपनी के कैश फ्लो ट्रेंड में अंतर्दृष्टि मिल सकती है। अगर कंपनी ने परिचालन गतिविधियों से लगातार सकारात्मक नकदी प्रवाह उत्पन्न किया है, तो यह एक स्वस्थ और टिकाऊ व्यवसाय का संकेतक हो सकता है।

कुल मिलाकर, किसी कंपनी के कैश फ्लो स्टेटमेंट का विश्लेषण करने से कंपनी की वित्तीय स्थिति, तरलता और नकदी उत्पन्न करने की क्षमता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन के बारे में व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए नकदी प्रवाह विवरण की तुलना अन्य वित्तीय

विवरणों, जैसे आय विवरण और बैलेंस शीट से करना आवश्यक है।

स्टील उद्योग मजबूत और अधिक आसानी से उत्पादित धातुओं की आवश्यकता से विकसित हुआ। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान इस्पात निर्माण में तकनीकी प्रगति ने रेल, ऑटोमोबाइल, गर्डर्स, पुलों और अन्य इस्पात उत्पादों के प्रसार में आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अध्ययन का उद्देश्य भारत में टाटा स्टील और सेल के विश्लेषित चलनिधि प्रदर्शन को जानना है। संचालन, दक्षता, उत्पादकता, लाभप्रदता और नकदी की स्थिति के मामले में ये भिन्न प्रकार के उद्योग एक दूसरे से भिन्न होते हैं। इस अध्ययन का सबसे बड़ा उद्देश्य आय विवरण से टाटा स्टील और सेल की नकदी की स्थिति का पता लगाना है।

अध्ययन की आवश्यकता / महत्व

- उद्योग के नकदी और नकद समकक्ष उत्पन्न करने के लिए एक उद्यम की क्षमता का आकलन करने के लिए।
- यह भविष्य के नकदी प्रवाह के पिछले आकलन की सटीकता और प्रदर्शन की जांच करने और लाभप्रदता और शुद्ध नकदी प्रवाह और बदलती कीमतों के प्रभाव के बीच संबंधों की जांच करने में उपयोग कर सकता है।
- यह पूंजी और राजस्व प्रवाह दोनों को शामिल करके वित्तीय प्रवाह और बहिर्वाह का एक विस्तारित दृश्य प्रदान करता है।

अध्ययन की समस्या

पुस्तकालय में मौजूद साहित्य को देखने और गाइड के साथ गहन चर्चा करने के बाद शोधकर्ता ने विषय का चयन किया है। कंपनियों के वित्तीय विवरण में शामिल समय, सूचना, उपकरण और तकनीकों और अन्य संबंधित स्रोतों और नकदी प्रवाह विवरण की उपलब्धता पर विचार करने के बाद इस विषय का चयन किया गया है, इसलिए, समस्या का विवरण

अध्ययन का उद्देश्य

- चयनित इस्पात उद्योगों की नकदी प्रवाह, शुद्ध संपत्ति अंतर और तरलता के बारे में जानने के लिए।
- चयनित इस्पात उद्योगों के नकदी प्रवाह और बहिर्वाह को मापने के लिए।
- उद्योगों की नकदी स्थिति का मूल्यांकन और तुलना करना।

डेटा विश्लेषण और व्याख्या टाटा स्टील कंपनी

टाटा स्टील कंपनी

1. परिचालन गतिविधि से नकदी प्रवाह

विश्लेषण के अनुसार 2017-18 से 2021-22 की अध्ययन अवधि के लिए टाटा स्टील के कैश फ्लो स्टेटमेंट की परिचालन गतिविधियों की मात्रा वर्ष 2018 में कंपनी का कर पूर्व लाभ 9713.50 है जो अन्य वर्षों की तुलना में अधिक है। समायोजन जो कर से पहले लाभ से शामिल या बहिष्कृत हैं, परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह को प्रभावित करते हैं। वर्ष 2022 में मूल्यहास और परिशोधन व्यय अधिक है जो अन्य वर्षों की तुलना में 3727.46 है। संपत्ति की बिक्री पर लाभ/हानि और निवेश की बिक्री पर लाभ/हानि को जोड़ा या घटाया जाता है (लाभ घटाया जाता है और हानि जोड़ी जाती है)। वित्त लागत शामिल है जो वर्ष 2022 में 2810.62 की राशि के साथ अधिक है। लाभांश कर को संचालन से नकद सृजन से बाहर रखा गया है। वर्ष 2018, 2019, 2020, 2021 और 2022 में यह क्रमशः 2447.24, 2053.28, 1244.10, 1540.87, 2502.51 है। समग्र गतिविधि ने संबंधित वर्ष 2018-2022 में 12432.80, 4851.89, 7567.68, 11166.64 और 11791.45 का शुद्ध नकदी प्रवाह उत्पन्न किया है। अन्य की तुलना में वर्ष 2018 में संचालन में उपयोग किया जाने वाला शुद्ध नकदी प्रवाह अधिक है।

2. निवेश गतिविधि से नकदी प्रवाह

विश्लेषण के अनुसार, वित्तीय गतिविधियों में लेन-देन और घटनाएँ शामिल हैं, जिनके द्वारा संसाधनों को मालिकों (इक्विटी वित्तपोषण) और लेनदारों (ऋण वित्तपोषण) से प्राप्त किया जाता है या भुगतान किया जाता है। लाभांश भुगतान, उदाहरण के लिए, इस परिभाषा में फिट बैठते हैं। लाभांश और ब्याज की प्राप्ति और ब्याज के भुगतान को परिचालन गतिविधियों के तहत वर्गीकृत किया जाता है क्योंकि उन्हें आय विवरण पर आय के हिस्से के रूप में रिपोर्ट किया जाता है। उधार ली गई या चुकाई गई मूल राशि की प्राप्ति या भुगतान (लेकिन ब्याज नहीं) को एक वित्तीय गतिविधि माना जाता है। अन्य गतिविधियाँ जो कंपनी की लंबी अवधि की देनदारियों और इक्विटी को प्रभावित करती हैं, उन्हें भी कैश फ्लो स्टेटमेंट के वित्तपोषण गतिविधियों के खंड में सूचीबद्ध किया गया है।

3. वित्तीय गतिविधि से नकदी प्रवाह

विश्लेषण के अनुसार, वर्ष 2017-18 से 2021-22 की अध्ययन अवधि के लिए टाटा स्टील की वित्तपोषण गतिविधि से नकदी प्रवाह की मात्रा यह अध्ययन अवधि में उधारी से प्राप्त आय और ऋण की अदायगी से अत्यधिक प्रभावित होता है। वर्ष 2018-2022 में उधारी से प्राप्त आय 5325.46, 7121.04, 8893.35, 2906.18 और 2343.84 है जो नकदी का प्रवाह है। यह वर्ष 2020 में अधिक है। उधार का पुनर्भुगतान नकदी के बहिर्वाह को दर्शाता है। यह वर्ष 2020 में 7754.55 की राशि के साथ अधिक है जो अन्य वर्षों की तुलना में अधिक है। वित्तपोषण गतिविधि से शुद्ध नकदी प्रवाह वर्ष 2018, 2019, 2020, 2021 (उच्च बहिर्वाह) में नकदी बहिर्वाह को दर्शाता है, लेकिन वर्ष 2022 में, कंपनी के पास वित्तपोषण गतिविधि से नकदी का प्रवाह है। वर्ष 2018 में प्रारंभिक नकद और नकद समतुल्य 2139.93 की राशि के साथ अधिक हैं, जबकि कंपनी के समापन नकद और नकद समतुल्य वर्ष 2022 में 4588.89 की राशि के साथ अधिक हैं।

सेल कंपनी लि0

1. परिचालन गतिविधि से नकदी प्रवाह

गणना के अनुसार वर्ष 2017-18 से 2021-22 के लिए सेल की परिचालन गतिविधि से नकदी प्रवाह की राशि। कंपनी को वर्ष 2018 और 2019 के लिए 3224.55 और 2358.91 के कर पूर्व लाभ हो रहा है लेकिन वर्ष 2020, 2021, 2022 में क्रमशः 7007.50, 4850.86, 758.94 की हानि हुई है। समायोजन जो कर से पहले लाभ से शामिल या बहिष्कृत हैं, परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह को प्रभावित करते हैं। कंपनी का मूल्यहास और परिशोधन खर्च हर साल बढ़ रहा है। यह वर्ष 2022 में 3064.92 की राशि के साथ सर्वाधिक है। अध्ययन अवधि के दौरान कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन नकदी प्रवाह 4430.29, 5151.18, -2384.87, 362.97 और 5002.76 है। वर्ष 2018 और 2020 में 807.39 और 2406.21 की राशि के साथ इन्वेंट्री में वृद्धि हुई है, अध्ययन अवधि के अन्य वर्षों में यह घट रही है। अध्ययन अवधि के लिए सेल की परिचालन गतिविधि से शुद्ध नकदी प्रवाह 5883.09, 2744.12, 3799.71, 2125.03 और 6157.81 है, जो अध्ययन अवधि के अन्य वर्षों की तुलना में वर्ष 2022 में अधिक है।

2. निवेश गतिविधि से नकदी प्रवाह

गणना से वर्ष 2017-18 से 2021-22 के लिए सेल की निवेश गतिविधि से नकदी प्रवाह की मात्रा वर्ष 2018 से 2022 के लिए कंपनी की अचल संपत्तियों की खरीद 8871.46, 6326.72, 6651.82, 5425.18, और 6757.49 है। यह वर्ष 2018 में अधिक है इसलिए कंपनी ने अध्ययन अवधि के अन्य वर्षों की तुलना में 2018 में अधिक अचल संपत्तियां खरीदी हैं। 158.99 की राशि के साथ अन्य वर्षों की तुलना में वर्ष 2020 में अचल संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त आय अधिक है जो नकदी प्रवाह को दर्शाती है। वर्ष 2018, 2019 व 2020 में सावधि जमा राशि क्रमशः 932.08, 495.84 व 1998.24 घटी है, लेकिन वर्ष 2021 व

2022 में इसमें 2.64 तथा 6.45 की राशि से वृद्धि की गई है। प्राप्त ब्याज वर्ष 2018 में अधिक है जो 589.63 है और अध्ययन अवधि के अन्य वर्षों की तुलना में प्राप्त लाभांश 2018 में 124.91 की राशि के साथ अधिक है।

3. वित्तीय गतिविधि से नकदी प्रवाह

गणना से 2017-18 से 2021-22 की अध्ययन अवधि के लिए सेल की वित्तपोषण गतिविधि से नकदी प्रवाह की मात्रा उधारी से आय वर्ष 2022 में अधिक है जो अन्य वर्षों की तुलना में राशि 10689.68 दर्शाती है। 2018 से 2022 की अध्ययन अवधि के दौरान 929.2, 1421.08, 2300.45, 2527.82, और 2851.54 की राशि के नकदी के बहिर्वाह को दिखाने के लिए भुगतान किया गया ब्याज और वित्त शुल्क। वर्ष 2021 में वित्तपोषण गतिविधि से शुद्ध नकदी प्रवाह अधिक है। अध्ययन के अन्य वर्षों की तुलना में 3302.13 के नकदी प्रवाह के साथ।

प्रमुख निष्कर्ष

तुलना के संपूर्ण विश्लेषण से निष्कर्ष में निष्कर्ष निकाला जा सकता है। टाटा स्टील और सेल के तुलनात्मक मूल्यांकन का समग्र विश्लेषण एक दूसरे की तुलना में कंपनियों की तरलता और सॉल्वेंसी की पहचान कर सकता है। दोनों उद्योगों के नकदी प्रवाह और नकदी बहिर्वाह में अंतर का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के प्रभावी परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रवृत्ति विश्लेषण और युग्मित टी-परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

तालिका 1: विशेष परिवर्तनशील परिणाम

संख्या	चर	परिकलित मूल्य	परिकलित मूल्य
1.	कर देने से पूर्व लाभ	2.5988	2.13
2.	मूल्यहास और परिशोधन व्यय	-0.302	2.13
3.	वित्त लागत	-3.88	2.13
4.	व्यापार देय और अन्य देनदारियां	-1.65	2.13
5.	अचल संपत्तियों की खरीद	0.074	2.13
6.	अचल संपत्तियों की बिक्री से आय	0.916	2.13
7.	प्राप्त ब्याज	3.575	2.13
8.	लाभांश प्राप्त हुआ	-0.805	2.13
9.	कर्ज से आय	0.0237	2.13
10.	ब्याज और वित्त शुल्क का भुगतान किया	-3.495	2.13
11.	नकद और नकद समकक्ष खोलना	-4.88	2.13
12.	नकद और नकद समकक्ष बंद करना	0.503	2.13

कैश फ्लो स्टेटमेंट में कैश इनफ्लो और कैश आउटफ्लो को ऑपरेशंस, इन्वेस्टमेंट और फाइनेंसिंग से कैश फ्लो में बांटा गया है। ये विवरण तरलता और सॉल्वेंसी के साथ-साथ पूंजी वृद्धि के लिए भविष्य की जरूरतों को पूरा करने की इकाई की क्षमता में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

1. अध्ययन अवधि के अंतिम तीन वर्षों में सेल को हुए नुकसान के कारण दोनों कंपनियों का कर पूर्व लाभ अलग-अलग है। इसलिए, टाटा स्टील का कर पूर्व लाभ अध्ययन अवधि के दौरान लाभ अर्जित करने वाली कंपनी को दर्शाता है। दोनों कंपनियों के मुनाफे में काफी अंतर है।
2. मूल्यहास और परिशोधन व्यय दोनों कंपनियों में समान हैं क्योंकि यह गैर-नकद व्यय है और इसे शुद्ध आय में जोड़ा जाएगा। इसलिए, मूल्यहास और परिशोधन व्यय में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
3. नकदी की आवश्यकता के लिए दोनों कंपनियों के लिए वित्त लागत की आवश्यकता होनी चाहिए क्योंकि ब्याज, ऋण और अन्य शुल्क आदि के लिए कंपनी को जो लागत चुकानी चाहिए, वह अलग नहीं है। इसलिए, दोनों कंपनियों में वित्त लागत अलग नहीं है।
4. कंपनियों द्वारा भुगतान की जाने वाली व्यापार देय और अन्य देनदारियां

- राशि में भिन्न हो सकती हैं लेकिन चयनित कंपनियों के व्यापार देय और अन्य देनदारियों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है क्योंकि कंपनी के पास अपने व्यवसाय में रखने के लिए अधिक नकदी है।
5. उत्पादन के लिए हर कंपनी को अचल संपत्ति खरीदने की जरूरत होती है जो नकदी का बहिर्वाह है। अध्ययन अवधि के दौरान अचल संपत्तियों की खरीद में टाटा स्टील और सेल के बीच कोई अंतर नहीं है। इसलिए, अध्ययन के दोनों नमूनों में अचल संपत्तियों की खरीद समान है।
 6. अचल संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त आय दोनों कंपनियों में समान है क्योंकि चयनित उद्योगों की अचल संपत्तियों की बिक्री में कोई अंतर नहीं है, जो बिक्री द्वारा नकदी प्रवाह को दर्शाता है।
 7. टाटा स्टील में प्राप्त ब्याज सेल से अधिक है इसलिए प्राप्त ब्याज में अंतर है जो टाटा स्टील द्वारा निवेश की गई उच्च राशि को इंगित करता है जो सेल द्वारा निवेश की गई राशि से अधिक ब्याज देता है। उच्च निवेश एक उच्च नकदी बहिर्वाह दर्शाता है।
 8. टाटा स्टील और सेल के बीच प्राप्त लाभांश में कोई बड़ा अंतर नहीं है। कंपनी ने दूसरी कंपनी के शेयरों में निवेश किया है। तो, पूर्व कंपनी को प्राप्त लाभांश है। टाटा स्टील ने सेल की तुलना में किसी अन्य कंपनी में अधिक शेयरों का निवेश किया है लेकिन टाटा स्टील और सेल के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
 9. दोनों कंपनियों की उधारी से आय समान है क्योंकि टाटा स्टील और सेल के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
 10. टाटा स्टील द्वारा भुगतान किया जाने वाला ब्याज और वित्त शुल्क सेल से कम है। लेकिन ब्याज और वित्त शुल्क के भुगतान में टाटा स्टील और सेल के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
 11. शुरुआती नकद और नकद समतुल्य नकदी को हाथ में दर्शाते हैं, जो पिछले वर्ष की अंतिम नकदी थी। अध्ययन अवधि के दौरान टाटा स्टील और सेल के बीच कोई अधिक महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। सेल में टाटा स्टील की तुलना में अधिक ओपनिंग कैश और कैश समकक्ष हैं।
 12. टाटा स्टील और सेल में क्लोजिंग कैश और कैश समकक्ष समान हैं। इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि दोनों कंपनियों नकदी का एक समान अंतिम शेष हैं। दोनों कंपनियों के क्लोजिंग कैश और कैश समकक्ष में कोई अंतर नहीं है।

निष्कर्ष

टाटा स्टील और सेल के कैश फ्लो स्टेटमेंट की समीक्षा दोनों कंपनियों के कैश इनफ्लो और कैश आउटफ्लो को दर्शाती है, जो दोनों कंपनियों की समान सॉल्वेंसी और लिक्विडिटी का प्रतिनिधित्व करती है। इस प्रकार, निवेशक दोनों कंपनियों में निवेश कर सकते हैं क्योंकि दोनों कंपनियों की नकदी की स्थिति अच्छी है। इसलिए, निवेशकों के लिए सबसे अच्छे निवेश विकल्प की पहचान करना आसान होना चाहिए। इस्पात क्षेत्रों के चयनित दो उद्योगों के नकदी प्रवाह विवरणों का विभिन्न मापदंडों का उपयोग करते हुए विश्लेषण किया गया है। चयनित इस्पात उद्योग टाटा स्टील एंड स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) हैं। कैश फ्लो स्टेटमेंट का तुलनात्मक मूल्यांकन दोनों उद्योगों के नकदी प्रवाह और नकदी के बहिर्वाह के विभिन्न चर और नकदी के प्रवाह और बहिर्वाह में समानता का वर्णन करता है। 12 चर हैं जो बहुत समान थे और दोनों उद्योगों के डेटा अध्ययन अवधि के लिए उपलब्ध थे। विश्लेषण से, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि दोनों उद्योगों में नकदी प्रवाह और नकदी प्रवाह विवरण के नकदी बहिर्वाह में अधिक समानताएं हैं। लेकिन पिछले तीन वर्षों की अध्ययन अवधि में सेल को हुई हानि के कारण लाभ में अधिक अंतर है। और दोनों उद्योगों को मिलने वाले ब्याज में काफी अंतर है क्योंकि SAIL में गिरावट का चलन है जो दोनों उद्योगों TATA Steel और SAIL के बीच एक बड़ा अंतर दिखाता है। लेकिन अन्य चरों में नकदी प्रवाह और बहिर्वाह में समानताएं हैं।

संदर्भ

1. भोजना यू अनुसंधान पद्धति, यू भोजना, और यू भोजना (एड.), रिसर्च मेथडोलॉजी में नई दिल्ली, भारत: एक्सेल बुक्स प्राइवेट लिमिटेड 2012, 8पी।
2. कोठारी सी.आर. , अनुसंधान क्रियाविधि, नई दिल्ली, भारत: न्यू एज इंटरनेशनल (पी) लिमिटेड, प्रकाशक 2004।
3. दीपक सी, नीना एस, "अनुसंधान पद्धति अवधारणाएं और मामले" (विकास प्रकाशन हाउस प्राइवेट लिमिटेड) पहला संस्करण 2011।
4. रवि एम किशोर, "लागत लेखांकन और वित्तीय प्रबंधन" टैक्समैन का प्रकाशन 7वां संस्करण 2018।